पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल मुनीर ने पीएम शाहबाज शरीफ से की मुलाकात

लाहौर। पाकिस्तान सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से पहली बार मुलाकात कर पेशेवर और सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर चर्चा की। पाकिस्तान की शक्तिशाली सेना ने शहबाज शरीफ को पद संभालने पर बधाई दी थी। सेना प्रमुख जनरल मुनीर ने इस्लामाबाद में प्रधानमंत्री आवास पर शहबाज को बधाई देने के लिए मुलाकात की और देश के 24वें मुख्य कार्यकारी के रूप में पदभार संभालने के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा जारी बयान के अनुसार, बैठक के दौरान, पाकिस्तानी सेना और सुरक्षा मामलों के पेशेवर मामलों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया गया। बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सहित अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। इस अवसर पर, सेना प्रमुख ने प्रधानमंत्री को उनके पदभार ग्रहण करने पर बधाई और शुभकामनाएं दीं।

चीन में मैग्लेव ट्रेन का सफल टेस्ट, 623 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से दौड़ी ट्रेन

बीजिंग। चीन ने अब मैग्नेटिकली लैविटेटेड यानी मैग्लेव ट्रेन का सफल परीक्षण किया है। चाइना एयरोस्पेस साइंस एंड इंडस्ट्रीज कारपोरेशन के मुताबिक पिछले साल अक्टूबर माह में उन्होंने मैग्लेव ट्रेन का टेस्ट लिया था। इस दौरान इसकी स्पीड 623 किलोमीटर प्रति घंटा मापी गई थी। अब तक की सबसे तेज ट्रेन की रफ्तार का नया रिकॉर्ड अपने नाम किया है। उनका कहना है कि अब वह इस गति को 3 गुना ज्यादा बढ़ाने में लगे हुए हैं। चीन का सपना मैग्लेव ट्रेनों को हवाई जहाज की गति से भी तेज चलाने का है। इससे पहले सुपरकंडक्टिंग मैग्लेव तकनीक का 380 मीटर ट्रैक पर परीक्षण किया गया था। इस दौरान इसकी गति 145 मील प्रति घंटे यानी 234 किलोमीटर प्रति घंटे मापी गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक सीएएसआईसी ने अपने अगले चरण में ट्रेन की स्पीड को 621 मील प्रति घंटे यानी 1,000 किलोमीटर प्रति घंटे तक बढ़ाने का प्लान बनाया है। बता दें कि मैग्लेव ट्रेन इलेक्ट्रोमैग्नेटिक ऊर्जा की वजह से पटरी से कोई 10 मिलीमीटर ऊपर हवा में चलती हैं। रफ्तार को बढ़ाने के लिए ट्रेन को खास तरह से डिजाइन लो-वैक्यूम ट्यूब से गुजारा जाता है। सीएएसआईसी ने कहा है कि इस टेस्ट से साबित हो गया है कि व्हीकल ट्यूब और ट्रैक अच्छी तरह से एक साथ काम कर सकते हैं, जिससे भारी मैग्लेव व्हीकल लगातार ऊपर उठे रहते हैं।

पाई पाई के लिए परेशान बांग्लादेश ने सऊदी अरब से लगाई मदद की गुहार

जद्दा। बांग्लादेश आर्थिक संकट से गुजर रहा है और आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार सऊदी अरब की ओर देख रही है। इसके अलावा हसन महमूद ने गाजा संकट पर जेद्दा में हुई ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कॉपरेशन की मीटिंग में भी हिस्सा लिया। इस बैठक में ओआईसी से जुड़े देशों के दर्जनों विदेश मंत्रियों ने हिस्सा लिया। सऊदी विदेश मंत्री फैसल बिन फरहान से मुलाकात के बाद बांग्लादेश के विदेश मंत्री ने बैठक पर अपनी संतुष्टि जाहिर की और सऊदी से मदद की उम्मीद जताई। बीपीसी (बांग्लादेश पेट्रोलियम कार्पोरेशन) के डिप्टी मैनेजर ने मीडिया को बताया कि बांग्लादेश अपने घटते विदेशी मुद्रा भंडार की वजह से तेल की पेमेंट के लिए संघर्ष कर रहा है। ऐसे में सऊद अरब से मिला सहयोग मददगार साबित होगा। बांग्लादेश वर्तमान में सऊदी अरामको से लगभग 700,000 मीट्रिक टन कच्चे तेल का आयात करता है और अब तक जेद्दा स्थित इंटरनेशनल इस्लामिक ट्रेड फाइनेंस कॉरपोरेशन के फंड की मदद से सऊदी को समय पर भुगतान करने में कामयाब रहा है।

मैक्सिको में हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, 3 की मौत

मैक्सिको सिटी। मैक्सिकन नौसेना के हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त होने से तीन सदस्यों की मौत हो गई। नौसेना मंत्रालय ने कहा कि दुर्घटना लाजारो कर्डेनस बंदरगाह से 370 किमी दक्षिण पश्चिम में हुई। मंत्रालय ने कहा कि नौसेना का हेलीकॉप्टर फ्लाइट डेक से उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया और अब तक दुर्घटना के कारणों का पता नहीं चल पाया है। नौसेना ने कहा कि विमान में आठ नौसैनिक सवार थे, जिनमें से तीन को जीवित बचाया और उनका स्वास्थ्य स्थिर है। मैक्सिको के मुख्य बंदरगाहों में से एक, लाजारो कर्डेनस, मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़ी हिंसा से प्रभावित है।

हूती विद्रोहियों के हमले से दो सदस्यों की मौत

लंदन। यमन के हूती विद्रोहियों ने अदन की खाड़ी में एक व्यापारिक जहाज पर मिसाइल से हमला किया, जिसमें चालक दल के दो सदस्यों की मौत हुई। गाजा में हमास के खिलाफ इजराइल के युद्ध छेड़ने के बाद यह हूती विद्रोहियों का पहला हमला है, जिसमें लोगों की जान गई है। हमला बारबाडोस के ध्वज वाले जहाज 'ट्रू कॉन्फिडेंस' पर हुआ। इस हमले के बाद एशिया और मध्य पूर्व को यूरोप से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर संघर्ष बढ़ गया है, जिससे जहाजों की वैश्विक आवाजाही बाधित हो गई है। इस बीच, ईरान ने घोषणा की कि वह अमेरिकी ऊर्जा कंपनी शेवरॉन कॉर्प को भेजे जा रहे पांच करोड़ डॉलर मूल्य के कुवैती कच्चे तेल को जब्त कर लेगा। यह कच्चा तेल उस टैंकर में है जिसे उसने करीब एक साल पहले जब्त किया था। अधिकारियों ने कहा कि अदन की खाड़ी में हमले में बारबाडोस के ध्वज वाले 'ट्रू कॉन्फिडेंस' नामक मालवाहक पोत को निशाना बनाया गया।

72 की उम्र में रेने लैंडर्स बनी बॉडीबिल्डर, लिया बिकनी प्रतियोगिता में भाग

टेक्सास । आमतौर पर लोग जहां 60 की उम्र में रिटायर होकर आराम की जिंदगी बसर करने लगते हैं। वहीं एक महिला ने दुनिया में एक अनोखी मिसाल रखी है। 72 साल की रेने लैंडर्स एक बॉडी बिल्डर हैं। वे कोई पेशेवर बॉडीबिल्डर नहीं है। आज वे बिकनी प्रतियोगिता में भाग लेती है, आर्नोल्ड श्वाजनेगर उनके आदर्श हैं। लेकिन इसमें हैरानी की बात यह है कि उनका बॉडी बिल्डिंग का शौक तब पनपा था जब उनकी उम्र 60 साल के पार हो चुकी थी। टेक्सास की रहने वाली ग्रैनी रेनी लैंडर्स हैं। एक समय था जब अधिक उम्र के कारण इन्हें चोट की वजह से सेहत संबंधी समस्याएं होने लगी थीं। ऐसा नहीं था इससे पहले लैंडर्स सक्रिय जीवन नहीं जी रही थीं, लेकिन इस घटना के बाद उनकी जिंदगी ही बदल गई थी।

उत्तर कोरिया में शीर्ष नेता किम जोंग उन सैनिकों के प्रशिक्षण के दौरान एक बंदुक को देखते हुए।

बदल रहा भारत, हर दिन 28 किलोमीटर हाईवे बना रहा : जयशंकर

टोक्यो । भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि जापान के लिए यह जानना महत्वपूर्ण है कि आज के मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में भारत एक अलग तरह का देश है, जो तेजी से बदल रहा है। टोक्यो में पहले रायसीना गोलमेज सम्मेलन में विदेश मंत्री ने कहा भारत में हो रहा परिवर्तन अधिक प्रभावी और विश्वसनीय भागीदार बनाता है। उन्होंने कहा कि मैं सोचता हूं कि यह महत्वपूर्ण

हो जाता है कि जापान भारत में परिवर्तन की मौजूदा गति की सराहना करे। भारत आज वहां देश है, जो प्रतिदिन 28 किलोमीटर हाईवे का निर्माण कर रहा है, प्रतिवर्ष नए एयरपोर्ट का निर्माण कर रहा है, हर साल डेढ़ से दो मेट्रो का निर्माण कर रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 सालों में भारत ने प्रतिदिन दो नए कॉलेजों का निर्माण किया है और अपने तकनीकी और चिकित्सकीय संस्थानों की संख्या को दोगुना किया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चाहे ईज ऑफ डूइंग बिजनेस हो, बुनियादी ढांचे का विकास हो, ईज ऑफ लिविंग हो, डिजिटल डिलीवरी हो, स्टार्टअप हो और नवाचार संस्कृति हो, भारत विश्व में एक स्पष्ट रूप से एक अलग देश के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर चुका है और आज की तारीख में इसी बात को जापान को पहचानने की जरूरत है। विदेश मंत्री ने कहा, यह स्पष्ट रूप से एक कठिन कार्य है, लेकिन इसमें हमें दृढ़ रहना होगा जो एशिया में बहुध्रुवीयता के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यह हमारे सामान्य हित में भी है कि संतुलन बना रहे। उन्होंने कहा कि दुनिया अब अधिक अस्थिर, अनिश्चित, अप्रत्याशित और खुले विचारों वाली हो गई है, यह एक ऐसी संभावना है, जिसका भारत और जापान को राष्ट्रीय दृष्टिकोण के साथ-साथ अपने स्वयं के दृष्टिकोण से भी सामना करना होगा। जयशंकर तीन दिवसीय जापान यात्रा पर हैं। उम्मीद है कि दोनों मंत्री द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक महत्व के मुद्दों पर चर्च करे और स्वतंत्र, खुले, समावेशी, शांतिपूर्ण और समृद्ध भारत-प्रशांत क्षेत्र के लिए सहयोग पर विचारों का आदान-प्रदान करे।

चुनाव आयोग पर इमरान खान ने लगाए संगीन आरोप, जानें कैसे फॉर्म-45 से छेड़छाड़ कर हो गया बड़ा खेल

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) की वेबसाइट पर अपलोड किए गए फॉर्म-45 के साथ छेड़छाड़ की गई है। पीटीआई नेता तैमूर खान झागरा ने इस्लामाबाद में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ये टिप्पणी की। उनके साथ पीटीआई प्रमुख बैरिस्टर गौहर खान और पार्टी नेता बैरिस्टर सलमान अकरम राजा भी थे। उन्होंने कहा कि पीटीआई ने मतदान के दिन 90 प्रतिशत फॉर्म-45 प्राप्त कर लिए हैं और वे ईसीपी द्वारा कल अपलोड किए गए फॉर्म-45 से भिन्न थे। इससे ??साफ पता चलता है कि धांधली हुई है। इस अवसर पर बोलते हुए, बैरिस्टर गोहर ने कहा कि पार्टी के पास 8 फरवरी के चुनावों में धांधली के पर्याप्त सबूत हैं और पार्टी अदालत में सबूत दिखाएगी। पार्टी ने सोशल मीडिया पर अपनी वेबसाइट पर मनगढ़ंत फॉर्म 45 अपलोड करने के लिए पक्षपातपूर्ण और अत्यधिक विवादास्पद ईसीपी की आलोचना की।

एक्स पर एक थ्रेड पोस्ट में पार्टी ने ईसीपी के फॉर्मों के साथ प्रामाणिक फॉर्म 45 को सूचीबद्ध करते हुए कहा कि दुनिया को बता दें कि पाकिस्तान के पक्षपाती और अत्यधिक विवादास्पद चुनाव आयोग ने आम चुनाव 2024 के लगभग एक महीने बाद अपनी वेबसाइट पर मनगढ़ंत फॉर्म 45 अपलोड किया। बता

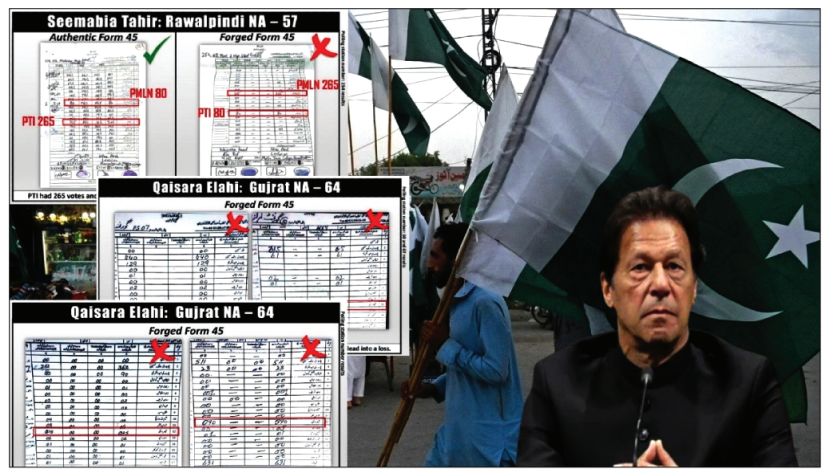

दें कि फॉर्म 45 वे दस्तावेज हैं जिनमें प्रत्येक मतदान केंद्र का डेटा शामिल है। पीटीआई नामांकित उम्मीदवारों के पास मूल, हस्ताक्षरित फॉर्म 45 हैं, जो उन्हें चुनाव के दिन प्राप्त हुए थे। ईसीपी द्वारा फॉर्म 45 में छेड़छाड़, संपादन और जालसाजी, न केवल स्पष्ट रूप से स्पष्ट है, बल्कि पूरी तरह से अपमानजनक भी है।

पाकिस्तान में आठ फरवरी को हुए चुनाव में जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी द्वारा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों ने 101 सीट पर जीत दर्ज की है। वहीं, तीन बार के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) 75 सीट जीतकर तकनीकी रूप से संसद में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। बिलावल जरदारी भुट्टो की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) को 54 सीट मिलीं, जबकि विभाजन के दौरान भारत से आए उर्दू भाषी लोगों की मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) को 17 सीट मिली हैं। बाकी 12 सीट पर अन्य छोटे दलों ने जीत हासिल की।

45 साल बाद पूर्व प्रधानमंत्री भुट्टो की फांसी को गलत माना

-सुप्रीम कोर्ट ने कहा, सुनवाई संविधान के अनुरूप नहीं हुई थी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो को 1979 में हत्या से जुड़े मामले में फांसी दी गई थी। लेकिन 45 साल बाद पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व पीएम भुट्टो की फांसी को लेकर बड़ी टिप्पणी दी है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि पूर्व प्रधानमंत्री भुट्टो के खिलाफ चलाए गए मुकदमे में हुई सुनवाई संविधान के अनुरूप नहीं थी। पाकिस्तान के चीफ जस्टिस काजी फैज ईसा की अगुवाई में नौ जजों की पीठ ने ये टिप्पणी पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी की ओर से दायर रिफरेंस पर की है।

दरअसल जरदारी ने दो अप्रैल 2011 को पाकिस्तानी संविधान के अनुच्छेद 189 के तहत पूर्व प्रधानमंत्री भुट्टो को दिए गए मृत्युदंड पर सुप्रीम कोर्ट की राय मांगी थी। जरदारी ने याचिका में कहा था कि 1979 के फैसले पर फिर से गौर होना चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने माना है कि हमारे न्यायिक इतिहास में इसतरह के कुछ मामले हुए हैं, जिन्होंने आमजन में ऐसी धारणा बनी है कि डर से या फिर पक्षपात करने से न्याय प्रभावित होता है। जब तक हम अतीत में की गई अपनी गलतियों को स्वीकार नहीं करते, तब तक हम खुद में सुधार नहीं कर सकते। चीफ जस्टिस ने कहा कि इस रेफरेंस से सैन्य तानाशाह जनरल जिया उल हक के शासन में भुट्टो को मृत्युदंड दिए जाने के मामले पर फिर से गौर करने का मौका मिला है।

वहीं पूर्व पीएम भुट्टो के पोते बिलावल भुट्टो जरदारी ने अदालत के फैसले को ऐतिहासिक बताया है। उन्होंने कहा है कि 44 साल बाद देश की सुप्रीम कोर्ट के फैसले से देश को सही राह में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। 44 साल पुराने उस फैसले के दाग से इस मुल्क के लोगों को अदालत पर विश्वास करने में मुश्किल हुई। लोगों की धारणा रही कि अगर इस मुल्क के प्रधानमंत्री को न्याय नहीं मिला तब हमें कैसे मिलेगा।

क्या है मामला?

पाकिस्तान में 1979 में पूर्व पीएम भुट्टो को हत्या के मामले में उकसाने के लिए दोषी मनाकर फांसी की सजा दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट की सात सदस्यीय बेंच के चार जजों ने लाहौर हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा था, जबकि तीन ने जुल्फिकार अली भुट्टो को आरोपों से बरी कर दिया था। उसके बाद 4 अप्रैल, 1979 को भुट्टो को फांसी दे दी गई थी। हालांकि, भुट्टो का परिवार आज भी न्याय की मांग कर रहा है। कई लोगों का मानना है कि यह तत्कालीन सैन्य तानाशाह जनरल हक के दबाव में लिया गया फैसला था, जिन्होंने 1977 में भुट्टो की सरकार को गिरा दिया था।

आंतरिक मामले में दखल न दें, नहीं तो निष्कासित कर दिया जाएगा, अमेरिकी राजदूत को रूस का सख्त संदेश

वॉशिंगटन। रूसी विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि उसने मॉस्को में अमेरिकी राजदूत लिन ट्रेसी को यह चेतावनी देने के लिए बुलाया था कि वह अपने आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने वाले अमेरिकी राजनयिकों को निष्कासित कर देगी। मॉस्को ने 15-17 मार्च को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले चेतावनी जारी की, जिसमें 20 वर्षों से अधिक समय तक रूस के सर्वोपरि नेता राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की अप्रत्याशित प्रगति के कारण जीत निश्चित है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि वह चुनाव से संबंधित 'विध्वंसक कार्रवाइयों और सूचना के प्रसार' पर नजर रखेगा और क्रेमलिन यूक्रेन में अपने विशेष सैन्य अभियान को क्या कहता है। इसमें कहा गया है कि इस तरह के व्यवहार को दृढ़ता से और दृढ़ता से दबा दिया जाएगा, जिसमें ऐसे कार्यों में शामिल संयुक्त राज्य दूतावास के कर्मचारियों को 'पर्सोना नॉन ग्राटा' के रूप में निष्कासन भी शामिल है। विदेश मंत्रालय ने यह भी मांग की कि अमेरिकी दूतावास तीन अमेरिकी गैर-लाभकारी संस्थाओं का समर्थन करना बंद कर दे, जिनके बारे में उसने कहा था कि वे देश में रूसी विरोधी कार्यक्रम चला रहे थे, जिसका उद्देश्य 'शैक्षणिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की आड़ में 'प्रभाव के एजेंटों' की भर्ती करना था।

ट्रंप और बाइडन के बीच ही होगा मुकाबला

-भारतवंशी निक्की हेली रेस से हुई बाहर

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में भारतीय मूल की पूर्व गवर्नर निक्की हेली अब राष्ट्रपति उम्मीदवार की दौड़ से बाहर हो गई हैं। दरअसल 'सुपर ट्यूजडे' को 15 राज्यों की पार्टी प्राइमरी में हार के बाद रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार निक्की हेली ने अपना प्रचार अभियान बुधवार को रोक दिया। ऐसे में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी हासिल करने की दौड़ में एकमात्र प्रमुख उम्मीदवार रह जाते हैं। इस प्रकार अब पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप और मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच राष्ट्रपति के लिए मुकाबला होना तय है।

सुपर ट्यूजडे की प्राइमरी के बाद ट्रंप (77) ने अपनी एकमात्र रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी निक्की हेली (52) को काफी पीछे छोड़ते हुए मजबूत बढ़त बना ली। ट्रंप ने वर्मोंट प्रांत में जीत हासिल कर निक्की को पूर्ण बहुमत से दूर कर दिया। इसके साथ ही साउथ कैरोलाइना की पूर्व गवर्नर हेली ने कहा, कि 'अब मेरा प्रचार अभियान रोकने का समय आ गया है। अमेरिकियों की आवाज सुनी जाए। इस पर मुझे कोई पछतावा नहीं है कि अब मैं उम्मीदवार नहीं रहूंगी, लेकिन मैं अपनी आवाज बुलंद करती रहूंगी, जिन पर मुझे विश्वास है। अब सवाल यह है कि क्या हेली ट्रंप का समर्थन करेंगी या नहीं करेंगी? इस बारे में हेली ने अंतिम निर्णय नहीं लिया है। उनके करीबी भी इस संबंध में अलग-अलग राय दे रहे हैं। कुछ का मानना है कि ट्रंप का समर्थन करना ही अच्छा होगा, क्योंकि ऐसा करके वो एक टीम के रूप में कार्य कर सकेंगी। कुछ लोग इस राय का तीव्र विरोध भी करते हैं।

स्टेट ऑफ द यूनियन में बाइडेन का संबोधन, किन मुद्दों पर बोल सकते हैं अमेरिकी राष्ट्रपति?

वाशिंगटन (एजेंसी)। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा आज रात 9 बजे ईटी में अपना तीसरा स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन देने की उम्मीद है। उम्मीद है कि यह न केवल दूसरे कार्यकाल के लिए उनकी मानसिक क्षमता को रेखांकित करने के लिए, बल्कि उनकी पुन- चुनाव की बोली के लिए माहौल तैयार करने के लिए भी एक महत्वपूर्ण क्षण होगा। संयुक्त राज्य के सबसे उम्रदराज राष्ट्रपति आज रात वाशिंगटन डीसी में यूएस कैपिटल में बोलने वाले हैं। इसे कांग्रेस के संयुक्त सत्र में पेश किया जाएगा, जिसमें सीनेट और प्रतिनिधि सभा दोनों उपस्थित होंगे। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और हाउस स्पीकर माइक जॉनसन बिडेन के पीछे बैठे होंगे और राष्ट्रपति के कैबिनेट और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश भी मौजूद हो सकते हैं।

जैसा कि प्रथागत है, विरोधी राजनीतिक दल संघ के राष्ट्रपति के राज्य का खंडन करता है। इस वर्ष अलबामा की सीनेटर केटी ब्रिट देश के भविष्य के लिए पार्टी के दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए रिपब्लिकन खंडन प्रदान करेंगी। इस साल के संबोधन का महत्व और भी बढ़ गया है क्योंकि दूसरे कार्यकाल के लिए

अपनी उम्मीदवारी की घोषणा के बाद से यह बिडेन का पहला संबोधन है। यह देश को चलाने की उनकी मानसिक क्षमता को लेकर बढ़ती आलोचना और चिंता के बीच भी आया है। उम्मीद है कि वह अपने काम के प्रदर्शन के बारे में मतदाताओं की चिंताओं को दूर करने की कोशिश करेंगे और डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ चुनावी मैदान में उतरेंगे। बाइडेन उन प्रमुख मुद्दों को संबोधित कर सकते हैं जिन्होंने उनके राष्ट्रपति पद को परिभाषित किया है, जिसमें अमेरिकी लोकतंत्र का भविष्य, यूक्रेन और इज़राइल जैसे विदेशी सहयोगियों के लिए समर्थन और यूएस-मेक्सिको सीमा पर प्रवासन जैसी चुनौतियां शामिल हैं। इसके अलावा, उनसे वाशिंगटन, डीसी में राजनीतिक पक्षपात को पाटने के प्रयासों पर जोर देने की उम्मीद है।

पाकिस्तान का विदेशी ऋण पहली छमाही में 1.2 अरब डॉलर बढ़ा

इस्लामाबाद। (एजेंसी)। नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान का विदेशी सार्वजनिक ऋण पिछले साल अप्रैल-सितंबर की अवधि में 1.2 अरब डॉलर बढ़कर 86.35 अरब डॉलर से अधिक हो गया जिसमें विश्व बैंक और चीन की सबसे बड़ी हिस्सेदारी रही। आर्थिक मामलों के मंत्रालय ने चालू वित्त वर्ष के लिए विदेशी आर्थिक मदद पर जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। इसके मुताबिक, पाकिस्तान को जुलाई-सितंबर, 2023 में 1.5 अरब डॉलर के ऋण भुगतान के मुकाबले 3.5 अरब डॉलर का कुल विदेशी धन मिला जिससे शुद्ध प्रवाह 1.97 अरब डॉलर का रहा। इसके साथ सितंबर, 2023 तक पाकिस्तान सरकार का कुल बाहरी सार्वजनिक ऋण बढ़कर 86.35 अरब डॉलर हो गया।

मंत्रालय के हवाले से समाचारपत्र 'द डॉन' में बृहस्पतिवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट के मुताबिक, कुल बाहरी सार्वजनिक ऋण का लगभग 64 प्रतिशत रियायती शर्तों और लंबी परिपक्वता अवधि वाले बहुपक्षीय और द्विपक्षीय स्रोतों से मिला था। पाकिस्तान पर मार्च, 2023 तक बाह्य सार्वजनिक ऋण 85.18 अरब डॉलर था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान ने वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में 64.2 करोड़ डॉलर के नए ऋण समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे और सभी नई प्रतिबद्धताओं को बहुपक्षीय विकास भागीदारों द्वारा वित्तपोषित किया गया था। पाकिस्तान को कर्ज देने वाले बहुपक्षीय संस्थानों में विश्व बैंक 30.6 करोड़ डॉलर के साथ सबसे आगे रहा जबकि चीन 50.9 करोड़ डॉलर के साथ अग्रणी द्विपक्षीय ऋणदाता बनकर उभरा।